Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 06 August 2024

Dainik Jagran
Page - 02

सुधरेगा छात्र-शिक्षक अनुपात, गोवि में होगी भर्ती

भरे जाएंगे प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर के 102 पद, जल्द शुरू होगी प्रक्रिया

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लागू होने के बाद उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययन-अध्यापन के प्रारूप में होने वाले बदलाव के चलते सभी संस्थानों को अपेक्षाकृत अधिक शिक्षकों की आवश्यकता महसूस हो रही है। यह अधिक से अधिक नियुक्ति की संभावना तलाश रहे हैं।

इसी क्रम में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रशासन ने शिक्षकों के उन पदों को भरने की योजना बना ली है, जो बीते चार वर्ष में दो चार की भर्ती के बाद भी खाली हैं। ऐसे पदों की संख्या 102 है, जिसमें प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर के पद शामिल हैं।

विश्वविद्यालय में शिक्षकों के कुल 376 पद स्वीकृत हैं। इनमें 36 पद प्रोफेसर के हैं, जबकि एसोसिएट प्रोफेसर की संख्या 80 है। सर्वाधिक 256 पद असिस्टेंट प्रोफेसर के हैं।

भर्ती की प्रक्रिया वाले पदों में आरक्षण की स्थिति

प्रोफेसर : अनारक्षित- 8, ओबीसी- 9, एससी/एसटी- 8, ईडब्लूएस- 3

एसोसिएट प्रोफेसर : अनारक्षित- 12, ओबीसी- 19, एससी/एसटी- 12, ईडब्लूएस- 6

असिस्टेंट प्रोफेसर : अनारक्षित- 12, ओबीसी- 6, एससी/एसटी- 5, ईडब्लूएस- 2

शिक्षा के वर्तमान परिदृश्य में छात्र-शिक्षक अनुपात बेहतर रहना बहुत जरूरी है। शिक्षकों की पर्याप्त संख्या से ही आज की तिथि में अध्ययन प्रणाली सुचारु रूप से संचालित की जा सकती है। इसे देखते हुए रिक्त पदों को तत्काल प्रभाव से भरने का निर्णय हमने लिया है। 102 खाली पदों को भरने के लिए जल्द विज्ञापन जारी करके आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। शिक्षक-छात्र अनुपात बेहतर होने के लाभ एनआइआरएफ रैंकिंग में भी मिलेगा।

प्रो.पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

बीते चार साल में दो बार हो चुकी है शिक्षक भर्ती

वर्ष 2018 के पहले विश्वविद्यालय में बड़ी संख्या में शिक्षकों के पद खाली थे। अध्ययन-अध्यापन मुश्किल हो गया था। इसे देखते हुए तत्कालीन कुलपति प्रो.वीके सिंह लंबे समय बाद 150 पदों पर शिक्षकों की भर्ती 2018 में की। शिक्षकों के रिटायर होने और विश्वविद्यालय छोड़कर चले जाने के बाद जब कई विभागों में शिक्षकों की कमी महसूस की जाने लगी तो बीते वर्ष तत्कालीन कुलपति प्रो.राजेश सिंह ने एक बार फिर भर्ती प्रक्रिया शुरू की और शिक्षकों के 48 पद भरे।

इनमें से वर्तमान में प्रोफेसर के 28, एसोसिएट प्रोफेसर के 49 और 25 पद असिस्टेंट प्रोफेसर के खाली हैं। इसके अलावा पांच शिक्षक ऐसे हैं, जिन्होंने विश्वविद्यालय तो छोड़ दिया है, लेकिन अवैतनिक अवकाश की व्यवस्था का लाभ उठाते हुए औपचारिक रूप से पद खाली नहीं किया।

ऐसे में विश्वविद्यालय ने पूरी तरह खाली 102 पदों पर भर्ती की तैयारी की है। इसके अलावा योगिराज बाबा गंभीरनाथ चेयर के लिए एक प्रोफेसर की नियुक्ति प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है। यानी अंतिम रूप से 103 पदों पर नियुक्ति की जानी है। विश्वविद्यालय ने इसके लिए आरक्षण का रोस्टर भी तैयार कर लिया है। जिन विषयों में भर्ती होनी है, उनमें अर्थशास्त्र, हिंदी, प्राचीन इतिहास, शिक्षाशास्त्र, दर्शनशास्त्र, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, वनस्पति विज्ञानी, जंतु विज्ञान, बायोटेक्नालाजी, इलेक्ट्रानिक्स जैसे विषय शामिल हैं। जल्द विज्ञापन जारी कर आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे।

वीकाम व एमकाम की कक्षाएं 12 से

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. श्रीवर्धन पाठक ने बताया है कि बीकाम प्रथम वर्ष, बीकाम बैंकिंग एंड एंश्योरेंस प्रथम वर्ष और एमकाम प्रथम वर्ष की कक्षाएं 12 अगस्त से शुरू हो जाएंगी। कक्षाओं की समय-सारिणी विभाग के नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दी गई है।

गोवि में सीट आवंटन के प्रमाण पत्रों का भौतिक सत्यापन शुरू

जाग. संवाददाता : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश को लेकर चल रही प्रक्रिया सीट आवंटन के बाद अब प्रमाण-पत्रों के सत्यापन तक पहुंच गई है। सोमवार को सीट आवंटन में जगह पाकर खाली विद्यार्थियों ने अपने-अपने विषयों में जरूरत प्रमाण-पत्रों का सत्यापन कराया। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार आवंटनीय के प्रमाण पत्रों में 80 प्रतिशत सीटों पर प्रवेश कार्य पूरा हो चुका है।

जानकारी विश्वविद्यालय के स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए 1876, और परास्नातक के 2629 अभ्यर्थियों ने अपना प्रवेश शुल्क जमा कर दिया है। महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए आवंटित स्नातक के लिए 1285 और परास्नातक के लिए 331 अभ्यर्थियों ने शुल्क जमा करने की प्रक्रिया पूर्ण करना। प्रवेश पुष्टिकरण करना है। प्रमाणपत्रों के सत्यापन के लिए दो-तीन दिन में शुरू होगी बीए आनर्स की काउंसलिंग विषयों का विकल्प जाएं होने के बाकी आवंटनीय काउंसलिंग में 80 प्रतिशत सीटों पर प्रवेश पूरा हो चुका है। बीए आनर्स को छोड़कर ऑनलाइन काउंसिलिंग से सीट आवंटन हासिल करने वाले अभ्यर्थियों के प्रमाणपत्रों की सत्यापन प्रक्रिया भी सोमवार को शुरू हो गई। डीडीयू में एडमिशन सेल के निदेशक प्रो. हर्ष सिन्हा ने बताया कि नवप्रवेशित अभ्यर्थियों के मूल अंकपत्रों और प्रमाण पत्रों के सत्यापन का सोमवार को पहला दिन था। सुबह से ही परिसर में अभ्यर्थियों की उपस्थिति के बीच विभिन्न विभागों और संकायों में सुव्यवस्थित ढंग से सत्यापन का कार्य हुआ। सत्यापन प्रक्रिया के सरल और सुगम होने के कारण संकायों और विभागों को भी पहले के वर्षों की तुलना में काफी सहूलियत हुई। इस वर्ष स्नातक स्तर के 15 और परास्नातक स्तर के 22 पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की गई थीं। डेढ़ दर्जन महाविद्यालयों ने भी अपनी पूर्ण या आंशिक सीटों पर प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों को आठ अगस्त तक का मौका दिया। सभी संकायों, विभागों और कालेजों को अभ्यर्थियों के आवेदन पत्र देखने, आवंटन स्थिति देखने और प्रमाणपत्रों के सत्यापन के बाद अपनी ओर से इसकी पुष्टि करने के लिए लॉगइन सुविधा दी गई है। प्रायः सभी विभाग इस सुविधा का लाभ उठाते हुए प्रवेश की ताजा स्थिति अपडेट भी करते रहे। कार्यशाला शुरू की जाएगी।

एमएससी भौतिकी कक्षाएं 12 अगस्त से

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के भौतिक विभाग के अध्यक्ष ने जानकारी दी है कि एमएससी भौतिकी प्रथम सेमेस्टर की कक्षाओं का संचालन 12 अगस्त से शुरू हो जाएगा। विभाग के सूचना पट्ट पर समय-सारिणी चस्पा कर दी गई है।

ज्योतिषीय परामर्श के लिए दो दिवसीय शिविर कल से

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग की ओर से संचालित पीजी डिप्लोमा ज्योतिष, वास्तु एवं कर्मकांड के अंतर्गत निश्शुल्क ज्योतिषीय परामर्श का दो दिवसीय आयोजन सात व आठ अगस्त को संचालित होगा। यह जानकारी विभागाध्यक्ष प्रो. लक्ष्मी मिश्रा ने दी।

Amar Ujala
Page - 07

गोरखपुर विश्वविद्यालय : पहले चरण की काउंसिलिंग में 80% सीटें भरीं

विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए प्रमाणपत्रों का भौतिक सत्यापन शुरू

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन काउंसिलिंग के पहले चरण में ही 80 प्रतिशत से अधिक सीटों पर प्रवेश पूरा हो चुका है। बीए ऑनर्स को छोड़कर ऑनलाइन काउंसिलिंग से सीट आवंटन हासिल करने वाले अभ्यर्थियों के प्रमाणपत्रों की सत्यापन प्रक्रिया भी सोमवार को शुरू हो गई।

नव प्रवेशित अभ्यर्थियों के मूल अंकपत्रों और प्रमाणपत्रों के सत्यापन के लिए सोमवार को सुबह से ही परिसर में अभ्यर्थियों का जमावड़ा होने लगा। विभिन्न विभागों और संकायों में यह सिलसिला शाम तक चलता रहा।

इस वर्ष स्नातक स्तर के 15 और परास्नातक स्तर के 22 पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की गई थीं। डेढ़ दर्जन महाविद्यालयों ने भी अपनी पूर्ण या आंशिक सीटों पर प्रवेश के लिए केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया में हिस्सा लिया था। केवल बीए ऑनर्स को छोड़कर सभी पाठ्यक्रमों के लिए काउंसिलिंग और सीट आवंटन की प्रक्रिया ऑनलाइन मोड में हुई।

अभ्यर्थियों के प्रमाणपत्रों की सत्यापन प्रक्रिया भी सोमवार से हो गई शुरू

अभी तक विश्वविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए 1876 तथा परास्नातक के 2629 अभ्यर्थी प्रवेश शुल्क जमा कर चुके हैं। महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए आवंटित स्नातक के 1285 और परास्नातक के 331 अभ्यर्थियों ने सीट कंफर्म करने के लिए निर्धारित शुल्क जमा कर दिया है।

4500 से अधिक अभ्यर्थियों ने जमा किया शुल्क

अब तक विश्वविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए 1876 और परास्नातक के 2629 अभ्यर्थी प्रवेश शुल्क जमा कर चुके हैं। कॉलेजों में प्रवेश के लिए आवंटित स्नातक के 1285 और परास्नातक के 331 अभ्यर्थियों ने सीट कंफर्म करने के लिए निर्धारित शुल्क जमा कर दिया है। प्रमाणपत्रों के सत्यापन के लिए अभ्यर्थियों को आठ अगस्त तक का समय दिया है। समय से प्रमाणपत्र प्रस्तुत न करने वाले अभ्यर्थियों का आवंटन निरस्त करने के बाद रिक्त सीटों पर दूसरे चरण की काउंसलिंग प्रक्रिया आरंभ की जाएगी। सभी संकायों, विभागों और कालेजों को अभ्यर्थियों के आवेदन पत्र देखने, आवंटन स्थिति देखने और प्रमाणपत्रों के सत्यापन के बाद अपनी ओर से इसकी पुष्टि करने के लिए लॉगिन सुविधा दी गई है। सभी विभाग इस सुविधा का लाभ उठाते हुए प्रवेश की ताजा स्थिति अपडेट भी करते रहे।

शिकायत के लिए आज लॉन्च होगा पोर्टल

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में अधूरे परिणामों की वजह से परेशान विद्यार्थियों के लिए पोर्टल मंगलवार को लॉन्च हो जाएगा। इसके बाद विश्वविद्यालय का चक्कर काटने की जरूरत नहीं पड़ेगी। विद्यार्थी घर बैठे ही 'आईएनसी' को लेकर अपनी शिकायत ऑनलाइन दर्ज करा सकेंगे।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि अलग-अलग वजहों से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के अधूरे परिणाम जारी हुए हैं। छात्रों को इसके लिए परेशान न होना पड़े, इसके लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर आईएनसी का लिंक दिया जाएगा।

कई विद्यार्थियों के प्रैक्टिकल के अंक नहीं चढ़े हैं। कई विद्यार्थियों के बबलिंग सही नहीं भरे जाने के कारण परिणाम पर असर पड़ा है। विद्यार्थियों की शिकायत को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाएगा।

बता दें कि करीब पांच हजार से अधिक विद्यार्थियों के इस बार अधूरे परिणाम जारी हुए हैं। इसके बाद से ही संबंधित छात्र-छात्राएं कॉलेज से लेकर विश्वविद्यालय तक के चक्कर परिणाम आने के बाद से ही लगा रहे हैं। संवाद

Hindustan
Page - 06

दाखिला | गोरखपुर विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए प्रमाणपत्रों का भौतिक सत्यापन शुरू, पहले दिन बड़ी संख्या में उपस्थित हुए अभ्यर्थी

पहले ही राउंड में 80% से अधिक सीटों पर प्रवेश पूर्ण

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन काउंसलिंग के प्रथम चरण में ही 80 प्रतिशत से अधिक सीटों पर प्रवेश पूर्ण हो चुका है। बीए ऑनर्स को छोड़कर ऑनलाइन काउंसिलिंग से सीट आवंटन हासिल करने वाले अभ्यर्थियों के प्रमाणपत्रों की सत्यापन प्रक्रिया भी सोमवार को शुरू हो गई।

डीडीयू में एडमिशन सेल के निदेशक प्रो. हर्ष सिन्हा ने बताया कि नवप्रवेशित अभ्यर्थियों के मूल अंकपत्रों और प्रमाण पत्रों के सत्यापन का सोमवार को पहला दिन था। सुबह से ही परिसर में अभ्यर्थियों की उपस्थिति के बीच विभिन्न विभागों और संकायों में सुव्यवस्थित ढंग से सत्यापन का कार्य हुआ। सत्यापन प्रक्रिया के सरल और सुगम होने के कारण संकायों और विभागों को भी पहले के वर्षों की तुलना में काफी सहूलियत हुई।

गोरखपुर विश्वविद्यालय के वाणिज्य भवन में काउंसलिंग कराते विद्यार्थी।

डीडीयू में इस वर्ष स्नातक के 15 और परास्नातक के 22 पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षाएं आयोजित हुई थीं। इस वर्ष डेढ़ दर्जन महाविद्यालयों ने भी अपनी पूर्ण या आंशिक सीटों पर प्रवेश के लिए केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया में हिस्सा लिया था। केवल बीए ऑनर्स को छोड़ सभी पाठ्यक्रमों के लिए काउंसलिंग व सीट आवंटन की प्रक्रिया ऑनलाइन मोड में चल रही है।

सभी संकायों, विभागों और कालेजों को प्रमाणपत्रों के सत्यापन के बाद अपनी ओर से इसकी पुष्टि करने के लिए लॉगइन सुविधा दी गई है। सभी विभाग इस सुविधा का लाभ उठाते हुए प्रवेश की ताजा स्थिति अपडेट भी करते रहे।

4500 से अधिक छात्रों ने जमा किया शुल्क

अब तक विश्वविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए 1876 तथा परास्नातक के 2629 अभ्यर्थी प्रवेश शुल्क जमा कर चुके हैं। कॉलेजों में प्रवेश के लिए आवंटित स्नातक के 1285 तथा परास्नातक के 331 अभ्यर्थियों ने सीट कंफर्म करने के लिए निर्धारित शुल्क जमा कर दिया है।

8 अगस्त तक चलेगा सत्यापन

प्रमाणपत्रों के सत्यापन के लिए अभ्यर्थियों को 8 अगस्त तक का समय दिया है। समय से प्रमाणपत्र प्रस्तुत न करने वाले अभ्यर्थियों का आवंटन निरस्त करने के बाद रिक्त सीटों पर दूसरे चरण की काउंसलिंग प्रक्रिया आरम्भ की जाएगी।

आईएनसी की शिकायत के लिए आज लांच होगा पोर्टल

डीडीयू

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में अधूरे परिणामों के कारण चक्कर काट रहे छात्र-छात्राओं के लिए रहात की खबर है। जिन छात्र-छात्राओं के अधूरे परिणाम आए हैं, उनके लिए पोर्टल मंगलवार को लांच हो जाएगा। इसके बाद विश्वविद्यालय का चक्कर काटने की जरूरत नहीं पड़ेगी। विद्यार्थी घर बैठे ही 'आईएनसी' को लेकर अपनी शिकायत ऑनलाइन दर्ज करा सकेंगे।

डीडीयू की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि अलग-अलग वजहों से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के अधूरे परिणाम जारी हुए हैं। छात्रों को इसके लिए परेशान न होना पड़े, इसके लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर आईएनसी का लिंक दिया जाएगा। कई विद्यार्थियों के प्रैक्टिकल के अंक नहीं चढ़े हैं। कई विद्यार्थियों के बबलिंग सही नहीं भरे जाने के कारण परिणाम पर असर पड़ा है। विद्यार्थियों की शिकायत को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के करीब 5 हजार से अधिक विद्यार्थियों के इस बार अधूरे परिणाम जारी हुए हैं। संबंधित छात्र-छात्राएं कॉलेज से लेकर विश्वविद्यालय तक के चक्कर परिणाम आने के बाद से ही लगा रहे हैं। इनमें कई विद्यार्थियों के परिणाम अधूरे हैं तो कई छात्रों के एक विषय का अंक ही नहीं चढ़ा है।

संस्कृत नैतिक मूल्यों की संवाहक

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय के संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग में 'संस्कृति संस्कृताधीन है' विषय पर सोमवार को व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो. उपेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि संस्कृति, संस्कार और संस्कृत अन्तः सम्बद्ध हैं। तीनों में एक ही धातु तथा उपसर्ग है। आज समाज में आचरण पक्ष का अभाव दृष्टिगोचर हो रहा है। आचार और व्यवहार पर विशेष ध्यान देना होगा। अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. कीर्ति पाण्डेय ने कहा कि संस्कृत केवल भाषा ही नहीं बल्कि नैतिक मूल्यों की संवाहिका है।

संचालन डॉ रंजनलता, स्वागत डॉ सूर्यकांत त्रिपाठी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ लक्ष्मी मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में डॉ देवेन्द्र पाल, डॉ कुलदीपक शुक्ल, डॉ धर्मेन्द्र कुमार सिंह आदि रहे।

Rashtriya Sahara
Page - 07

एमएससी भौतिकी प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं 12 से

गोरखपुर(एसएनबी)। एमएस-सी (भौतिकी) प्रथम सेमेस्टर सत्र 2024-2025 के छात्रों की सैद्धान्तिक कक्षाएं 12 अगस्त सोमवार से विभागीय सूचना-पट पर लगी समय-सारणी के अनुसार संचालित होगीं। उक्त जानकारी प्रो. रविशंकर सिंह ने दी।

ज्योतिष शिविर डीडीयू में 7 व 8 को

गोरखपुर(एसएनबी)। संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पीजी डिप्लोमा ज्योतिष वास्तु एवं कर्मकाण्ड के अंतर्गत जीवन से जुडी समस्या विषयक निःशुल्क ज्योतिषीय परामर्श का द्विदिवसीय शिविर 7-8 अगस्त 2024 को संचालित होगा। अधिक जानकारी के लिए विभाग में सम्पर्क कर सकते हैं।

Amar Ujala Select
Page - 04

डीडीयू में प्रवेश के लिए प्रमाणपत्रों का भौतिक सत्यापन शुरू

पहले चरण की काउंसिलिंग में 80 % सीटें भरीं, परिसर में छात्रों का जमावड़ा

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन काउंसिलिंग के पहले चरण में ही 80 प्रतिशत से अधिक सीटों पर प्रवेश पूरा हो चुका है। बीए ऑनर्स को छोड़कर ऑनलाइन काउंसिलिंग से सीट आवंटन हासिल करने वाले अभ्यर्थियों के प्रमाणपत्रों की सत्यापन प्रक्रिया भी सोमवार को शुरू हो गई।

नव प्रवेशित अभ्यर्थियों के मूल अंकपत्रों और प्रमाणपत्रों के सत्यापन के लिए सोमवार को सुबह से ही परिसर में अभ्यर्थियों का जमावड़ा होने लगा। विभिन्न विभागों और संकायों में यह सिलसिला शाम तक चलता रहा।

इस वर्ष स्नातक स्तर के 15 और परास्नातक स्तर के 22 पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की गई थीं। डेढ़ दर्जन महाविद्यालयों ने भी अपनी पूर्ण या आंशिक सीटों पर प्रवेश के लिए केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया में हिस्सा लिया था। केवल बीए ऑनर्स को छोड़कर सभी पाठ्यक्रमों के लिए काउंसिलिंग और सीट आवंटन की प्रक्रिया ऑनलाइन मोड में हुई।

अभी तक विश्वविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए 1876 तथा परास्नातक के 2629 अभ्यर्थी प्रवेश शुल्क जमा कर चुके हैं। महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए आवंटित स्नातक के 1285 तथा परास्नातक के 331 अभ्यर्थियों ने सीट कंफर्म करने के लिए निर्धारित शुल्क जमा कर दिया है।

4500 से अधिक अभ्यर्थियों ने जमा किए शुल्क

अब तक विश्वविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए 1876 और परास्नातक के 2629 अभ्यर्थी प्रवेश शुल्क जमा कर चुके हैं। कॉलेजों में प्रवेश के लिए आवंटित स्नातक के 1285 और परास्नातक के 331 अभ्यर्थियों ने सीट कंफर्म करने के लिए निर्धारित शुल्क जमा कर दिया है। प्रमाणपत्रों के सत्यापन के लिए अभ्यर्थियों को आठ अगस्त तक का समय दिया है। समय से प्रमाणपत्र प्रस्तुत न करने वाले अभ्यर्थियों का आवंटन निरस्त करने के बाद रिक्त सीटों पर दूसरे चरण की काउंसलिंग प्रक्रिया आरंभ की जाएगी। सभी संकायों, विभागों और कालेजों को अभ्यर्थियों के आवेदन पत्र देखने, आवंटन स्थिति देखने और प्रमाणपत्रों के सत्यापन के बाद अपनी ओर से इसकी पुष्टि करने के लिए लॉगिन सुविधा दी गई है। सभी विभाग इस सुविधा का लाभ उठाते हुए प्रवेश की ताजा स्थिति अपडेट भी करते रहे।

अधूरे परिणाम की शिकायत के लिए आज लॉन्च होगा पोर्टल

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में अधूरे परिणामों की वजह से परेशान विद्यार्थियों के लिए पोर्टल मंगलवार को लॉन्च हो जाएगा। इसके बाद विश्वविद्यालय का चक्कर काटने की जरूरत नहीं पड़ेगी। विद्यार्थी घर बैठे ही 'आईएनसी' को लेकर अपनी शिकायत ऑनलाइन दर्ज करा सकेंगे।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि अलग-अलग वजहों से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के अधूरे परिणाम जारी हुए हैं। छात्रों को इसके लिए परेशान न होना पड़े, इसके लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर आईएनसी का लिंक दिया जाएगा। कई विद्यार्थियों के प्रैक्टिकल के अंक नहीं चढ़े हैं। कई विद्यार्थियों के बबलिंग सही नहीं भरे

जाने के कारण परिणाम पर असर पड़ा है। विद्यार्थियों की शिकायत को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाएगा।

बता दें कि करीब पांच हजार से अधिक विद्यार्थियों के इस बार अधूरे परिणाम जारी हुए हैं। इसके बाद से ही संबंधित छात्र-छात्राएं कॉलेज से लेकर विश्वविद्यालय तक के चक्कर परिणाम आने के बाद से ही लगा रहे हैं।

Super Fast Times

डीडीयू में प्रवेश हेतु प्रमाणपत्रों का भौतिक सत्यापन शुरू, बड़ी संख्या में उपस्थित हुए अभ्यर्थी

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के विभिन्न पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन काउंसिलिंग के प्रथम चरण में ही 80 प्रतिशत से अधिक सीटों पर प्रवेश पूर्ण हो चुका है। बी०ए आनर्स को छोड़कर ऑनलाइन काउंसिलिंग से सीट आवंटन हासिल करने वाले अभ्यर्थियों के प्रमाणपत्रों की सत्यापन प्रक्रिया भी शुरू हो गई। नवप्रवेशित अभ्यर्थियों के मूल अंकपत्रों और प्रमाण पत्रों के सत्यापन का सोमवार को पहला दिन था। सुबह से ही परिसर में अभ्यर्थियों की उपस्थिति के बीच विभिन्न विभागों और संकायों में शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से सत्यापन का कार्य हुआ । सत्यापन प्रक्रिया के सरल और सुगम होने के चलते संकायों और विभागों को भी पहले के वर्षों की तुलना में काफी सहूलियत हुई। इस वर्ष स्नातक स्तर के 15 और परास्नातक स्तर के 22 पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की गई थीं। इस वर्ष डेढ़ दर्जन महाविद्यालयों ने भी अपनी पूर्ण या आंशिक सीटों पर प्रवेश के लिए केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया में हिस्सा लिया था। केवल बी०ए आनर्स को छोड़कर सभी पाठ्यक्रमों के लिए काउंसिलिंग और सीट आवंटन की प्रक्रिया ऑनलाइन मोड में संपादित हुई। अब तक विश्वविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए 1876 तथा परास्नातक के 2629 अभ्यर्थी प्रवेश शुल्क जमा कर चुके हैं। महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए आवंटित स्नातक के 1285 तथा परास्नातक के 331 अभ्यर्थियों ने सीट कंफर्म करने हेतु निर्धारित शुल्क जमा कर दिया है। प्रमाणपत्रों के सत्यापन के लिए विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों को 8 अगस्त तक का समय दिया है। समय से प्रमाणपत्र प्रस्तुत न करने वाले अभ्यर्थियों का आवंटन निरस्त करने के बाद रिक्त सीटों पर दूसरे चरण की काउंसिलिंग प्रक्रिया आरम्भ की जाएगी। सभी संकायों,विभागों और कालेजों को अभ्यर्थियों के आवेदन पत्र देखने,आवंटन स्थिति देखने और प्रमाणपत्रों के सत्यापन के बाद अपनी ओर से इसकी पुष्टि करने के लिए लॉगइन सुविधा दी गई है। प्रायः सभी विभाग इस सुविधा का लाभ उठाते हुए प्रवेश की ताजा स्थिति अपडेट भी करते रहे।

Nirbhik India

डीडीयू में प्रथम सेमेस्टर में दाखिला प्राप्त छात्र-छात्रा ध्यान दें

गोरखपुर, संवाददाता- दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा संचालित बी0 काम0, बी0 काम0 बैंकिंग एण्ड इन्श्योरेंन्स प्रथम सेमेस्टर तथा एम0 काम0 प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएँ दिनाँक 12-08-2024 से आरम्भ हो रही है।

इसी प्रकार एम0एस-सी0 (भौतिकी) प्रथम सेमेस्टर सत्ररू 2024-2025 के छात्रों की सैद्धान्तिक कक्षाएं दिनांक 12.08.2024 दिन-सोमवार से विभागीय सूचना-पट्ट पर लगी समय-सारणी के अनुसार संचालित होगीं।

सभी सम्बन्धित छात्र/छात्राओं को सूचित किया जाता है कि विभाग में समय से नियमित कक्षाओं में उपस्थित हो। समय सारणी विभागीय सूचना पटट् पर चस्पा कर दी गयी है। छात्रों की उपस्थिति 75 प्रतिशत अनिवार्य है।

संस्कृति संस्कृताधीन विषय पर एकल व्याख्यान का आयोजन

गोरखपुर, संवाददाता- आज दिनांक 5/8/24 संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग द्वारा माननीय कुलपति प्रो0 पूनम टण्डन के संरक्षकत्व में "संस्कृति संस्कृताधीन है" विषय पर एकल व्याख्यान का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर उपेन्द्र पाण्डेय, अध्यक्ष संस्कृत विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी ने उपर्युक्त विषय पर अत्यन्त उपादेय व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा की संस्कृति संस्कार और संस्कृत अन्तः सम्बद्ध हैं। तीनों में एक ही धातु तथा उपसर्ग है।आज समाज में आचरण पक्ष

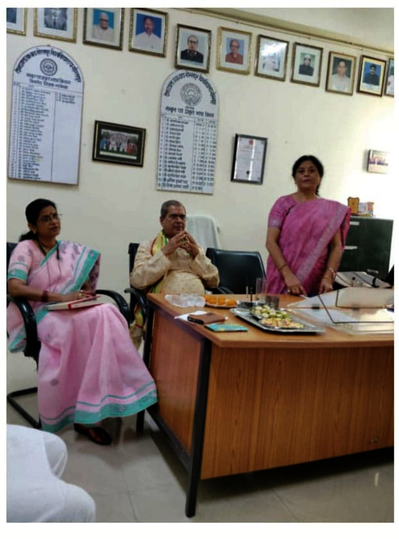

का अभाव दृष्टिगोचर हो रहा है। आचार और व्यवहार पर विशेष ध्यान देना होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष प्रोफेसर कीर्ति पाण्डेय ने कहा कि संस्कृत केवल भाषा ही नहीं अपितु नैतिक मूल्यों की संवाहिका है। कार्यक्रम का संचालन डॉ रंजनलता, स्वागत डॉ सूर्यकांत त्रिपाठी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ लक्ष्मी मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में डॉ देवेन्द्र पाल, डॉ कुलदीपक शुक्ल, डॉ धर्मेन्द्र कुमार सिंह, डॉ मृणालिनी, डॉ ज्ञानधर भारती, डॉ अर्चना शुक्ला सहित विभागीय छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे